एक-दूसरे को गले लगाकर दी ईद की दी शुभकामनाएं

खंडवा/मुंदी। नगर में ईद-उल-अज्हा का पर्व शनिवार को धार्मिक श्रद्धा एवं भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समाज के लोग नए कपड़े पहनकर ईदगाह मैदान पहुंचने लगे। सुबह 8:30 बजे मोहम्मद मौलाना दिलावर साहब ने ईद की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से अदा करवाई। नमाज के पश्चात मोहम्मद सिराज मौलाना साहब ने देश में अमन, चैन एवं भाईचारा बना रहे, इसके लिए विशेष दुआ कराई। इसके बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। ईद के अवसर पर बीजेपी एवं कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता भी ईदगाह पहुंचे और मुस्लिम समाज के लोगों को गले मिलकर ईद की शुभकामनाएं दीं। पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। ईदगाह परिसर में पुलिस टीम एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पूरे नगर में ईद का पर्व सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

भीषण गर्मी में पुलिस जवानों का सहारा बने एसपी अगम जैन, ड्यूटी पर पहुंचाया कैरी का पना

खंडवा। शहर में लगातार बढ़ती गर्मी के बीच पुलिस अधीक्षक अगम जैन की मानवीय पहल देखने को मिली। शहर की सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस बल को गर्मी से राहत देने के उद्देश्य से विभिन्न ड्यूटी स्थलों पर कैरी का पना वितरित किया गया। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि दरअसल, खंडवा शहर में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रमुख चौराहों, बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस जवान लगातार मुस्तैदी से डटे हुए हैं। तेज धूप और उमस भरी गर्मी के बीच घंटों तक ड्यूटी कर रहे जवानों की सेहत को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन में यह विशेष व्यवस्था की गई। पुलिसकर्मियों को उनके ड्यूटी प्वाइंट पर ही कैरी का ठंडा पना उपलब्ध कराया गया, जिससे उन्हें गर्मी से राहत मिल सके। इस पहल से जवानों में उत्साह देखने को मिला। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जवानों का स्वास्थ्य और मनोबल दोनों ही पुलिस व्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। पुलिस विभाग की इस पहल की शहरवासियों ने भी सराहना की है। लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी में सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे पुलिस जवानों के लिए इस तरह की संवेदनशील पहल प्रेरणादायक है।

सद्भावना मंच ने कर्मवीर बंद करने के विरोध में मुख्यमंत्री को किए ईमेल

खंडवा। सदभावना मंच सदस्यों ने खंडवा स्थित माखनलाल चतुर्वेदी कर्मवीर महाविद्यालय को शासन द्वारा बंद किए जाने के विरोध में मुख्यमंत्री मोहन यादव को सामूहिक रूप से ईमेल एवं ट्वीट किये गये। यह जानकारी देते हुए मंच के निर्मल मंगवानी ने बताया कि इस मौके पर मंच संस्थापक प्रमोद जैन ने कहा कि प्रशासन ने कर्मवीर महाविद्यालय भवन को तीन माह में खाली करने के लिए निर्देशित किया है इससे यह स्पष्ट है कि शीघ्र ही महाविद्यालय बंद हो जाएगा, दुर्भाग्य की बात है कि जिस राष्ट्रीय कवि, लेखक, पत्रकार, साहित्य मनीषी दादा माखन ने पत्रकारिता के माध्यम से अंग्रेजों के विरूद्ध जनता को जगाकर देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसी भारतीय आत्मा की कर्मभूमि में स्थापित महाविद्यालय को बंद कर अनेक कलम के सिपाहियों को निराश किया जा रहा है। जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। पं. माखनलाल चतुर्वेदी ने ही सबसे पहले पत्रकारिता विद्यापीठ (विश्वविद्यालय) का सपना देखा था। इस मौके पर उपस्थित मंच संस्थापक प्रमोद जैन, पूर्व डीएसपी आनंदपाल तोमर, सुरेन्द्र गीते, अनूप शर्मा, त्रिलोक चौधरी, गणेश भावसार, कैलाश शर्मा, डॉ एमएम कुरैशी, कमल नागपाल, राधेश्याम शाक्य, निर्मल मंगवानी, कैलाश शर्मा, सुभाष मीणा, बुंदेला अर्जुन, कैलाश पटेल आदि मंच सदस्यों ने विरोध जताते हुए मुख्यमंत्री को सामूहिक रूप से ईमेल एवं ट्वीट कर माखनलाल चतुर्वेदी कर्मवीर महाविद्यालय को बंद नहीं किए जाने का अनुरोध किया गया।

तड़पते पक्षियों को देखकर बदली जिंदगी, अब 10 लाख से अधिक जल पात्र बांट चुका 'पंछी सर' का अभियान

खंडवा से उठी करुणा की मिसाल, पक्षियों की प्यास बुझाने जन-जन को किया प्रेरित

खंडवा। भीषण गर्मी में एक घायल और प्यास से तड़पते गौरैया पक्षी को मरते देख एक व्यक्ति का हृदय ऐसा पसीजा कि उसने अपना पूरा जीवन ही पक्षियों और प्रकृति की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। यह कहानी है राष्ट्रीय पक्षी बचाओ अभियान के प्रमुख शंखपुष्पी महाराज उर्फ 'पंछी सर' की, जिन्होंने वर्ष 1998 से शुरू किए गए अपने अभियान के तहत अब तक 10 लाख 16 हजार से अधिक पक्षी जल पात्र (सकोरे) निशुल्क वितरित कर एक अनोखी मिसाल कायम की है। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि भगवान महावीर ने अहिंसा के साथ जियो और जीने दो याने स्वयं भी जियो और सभी प्राणी मात्र जीव जंतुओं, पशु पक्षियों को भी जीने दे के तहत खंडवा कलेक्टर कार्यालय परिसर में स्वर्गीय रामलाल धनगया की स्मृति में 1000 पक्षी जल पात्रों के निशुल्क वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने स्वर्गीय रामलाल धनगया के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा जल पात्रों का पूजन कर किया। इसके बाद कलेक्टर ने स्वयं वृक्षों पर जल पात्र बांधकर पक्षियों को पानी उपलब्ध कराने का संदेश दिया।

'पक्षियों को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य- कार्यक्रम में शंखपुष्पी महाराज ने कहा कि पशु-पक्षी, वन, नदियां, पर्वत, जल, वायु और प्रकृति ही ईश्वर का स्वरूप हैं। उन्होंने कहा कि पक्षियों को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और यह हमारी भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपरा रही है। पहले लोग गाय को रोटी, पक्षियों को दाना और जीव-जंतुओं को भोजन देकर पुण्य कमाते थे, लेकिन आधुनिकता की दौड़ में लोग प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम, भगवान कृष्ण, महावीर स्वामी और गौतम बुद्ध सहित देश के अनेक संतों और महापुरुषों ने भी प्रकृति और जीवों की रक्षा का संदेश दिया है। यदि धरती से पशु-पक्षी और वृक्ष समाप्त हो गए तो संसार नरक समान हो जाएगा।

साइकिल पर घूम-घूमकर बांटे सकोरे- समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि शंखपुष्पी महाराज वर्तमान में शासकीय आईटीआई में प्रशिक्षण अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि शुरुआत में वे अपने निजी खर्च से साइकिल पर गांव-गांव घूमकर पक्षियों के लिए जल पात्र वितरित करते थे। धीरे-धीरे लोग उनके अभियान से जुड़ते गए और आज यह अभियान मध्यप्रदेश के अधिकांश जिलों सहित छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड और आंध्रप्रदेश तक पहुंच चुका है।

अधिकारियों और पुलिस विभाग ने भी निभाई भागीदारी- कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर बडोले ने कहा कि यह अभियान केवल पक्षियों को पानी पिलाने तक सीमित नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का बड़ा जनआंदोलन है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपने घरों एवं कार्यालयों में पक्षियों के लिए जल पात्र रखने की अपील की।वहीं पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने भी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने 'जियो और जीने दो' का संदेश दिया था। प्रत्येक जीव को स्वतंत्र रूप से जीने का अधिकार है और पक्षियों की रक्षा करना मानवता की सच्ची सेवा है।

पक्षी की प्यास बुझाना सौ यज्ञ के समान- प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि कार्यक्रम के अंत में शंखपुष्पी महाराज ने भावुक अपील करते हुए कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने घर, दुकान या कार्यालय के बाहर एक जल पात्र रख दे तो हजारों पक्षियों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि 'एक पक्षी की प्यास बुझाना सौ यज्ञ के समान पुण्य देने वाला कार्य है।' कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। सभी को निशुल्क पक्षी जल पात्र वितरित किए गए और पक्षियों के संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर शंखपुष्पी महाराज के साथ गणेश भावसार दीपू अग्रवाल सुनील जैन उपस्थित थे।

हर्षोल्लास से मनी बकरीद

ईदगाह पर शहर काजी ने की अमन-चैन की दुआ

संगठन की आड़ में गौवंश का धंधा करने वालों पर कार्रवाई की मांग, गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की अपील

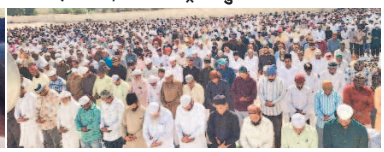

खंडवा। ईद-उल-अज्हा यानी बकरीद का त्योहार हर्षोल्लास और सौहार्द के साथ मनाया गया। शहर की तमाम मस्जिदों और मदरसों में सुबह से ही ईद की नमाज अदा की गई। मुख्य नमाज शहर की ईदगाह में सुबह 9 बजे अदा हुई, जहां हजारों लोगों ने देश की तरक्की और अमन-चैन की दुआ मांगी।

नमाज के बाद शहर काजी सैयद निसार अली ने पश्चिम बंगाल के लोगों के फैसले की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल की आवाम ने बहुत अच्छा फैसला लिया है कि बकरीद पर गाय को कुर्बानी के लिए नहीं खरीदेंगे। हम भी ऐलान करते हैं कि खंडवा के लोग भी गाय की कुर्बानी नहीं करना चाहते। गाय खरीदने से देश का माहौल खराब होता है और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाएं होती हैं। शहर काजी ने प्रशासन से मांग की कि 'जो लोग संगठन की आड़ में गौवंश का धंधा कर रहे हैं, उन पर भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए।' उन्होंने सभी से सादगी के साथ त्योहार मनाने, खुले में कुर्बानी नहीं करने और जरूरतमंदों के साथ मिल-बांटकर ईद मनाने की अपील की। इस बार पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए ईदगाह से नमाजियों को पौधे भी वितरित किए गए। शहर काजी ने बताया कि जिले भर की मस्जिदों में ईद की नमाज के बाद बकरे की कुर्बानी दी गई और गोश्त गरीबों में तकसीम किया गया।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

बकरीद पर शहर और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। करीब 450 से 500 पुलिसकर्मियों के साथ होमगार्ड और वन विभाग की टीमें भी तैनात रहीं। अतिरिक्त मोबाइल वैन शहर में लगातार पेट्रोलिंग करती रहीं। संवेदनशील इलाकों, मंदिर-मस्जिद और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी गई। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से पूरे शहर पर नजर रखी गई। साइबर सेल की टीम सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट और अफवाह फैलाने वालों पर भी पैनी नजर बनाए हुए थी। पुलिस की मुस्तैदी से त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई 'पश्चिम बंगाल ने बहुत अच्छा फैसला लिया है। हम भी गाय की कुर्बानी के खिलाफ हैं। प्रशासन से मांग है कि संगठन की आड़ में गौवंश का धंधा करने वालों पर कार्रवाई हो और गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए।

यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा यात्री बस चेकिंग अभियान में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने पर

195 बस चालक के खिलाफ कार्यवाही, 3,36,400 का जुर्माना

खंडवा। पुलिस परिवहन शोध संस्थान, पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश भोपाल आदेशानुसार पुलिस खण्डवा वं परिवहन विभाग संयुक्त टीम द्वारा जिले में संचालित यात्री बस में आमजन की सुरक्षा के उद्देश्य से दिनांक 21.05.2026 से 27.05.2026 तक एक सप्ताह का लोक परिवहन बसों का विशेष चैकिंग एवं प्रवर्तन अभियान चालाया गया। अभियान के दौरान निम्न बिंदुओं पर विशेष रूप से जांच की गई-

बसों में अग्निशमन यंत्र, मेडिकल किट आदि आवश्यक सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता। बसों में ओवरलोड सवारी न ले जाई जा रही हो। इमरजेंसी विंडो सही स्थिति में हो एवं उसके पास सीट न लगाई गई हो। वाहन चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना। चालक एवं परिचालक द्वारा शराब अथवा अन्य नशे की स्थिति में वाहन संचालन न किया जा रहा हो। चालक एवं परिचालक का यात्रियों के प्रति व्यवहार मानवीय एवं शालीन हो। बसों का वैध बीमा होना। अभियान के अंतर्गत यात्री बस में सुरक्षा मानकों के सत्-प्रतिशत सत्यापन किया गया। निर्धारित मानकों के विपरीत संचालित परिवहन बसों के विरुद्ध कार्यवाही की गई एवं बस संचालकों को सुरक्षा मानकों का पालन करने हेतु निर्देशित किया गया। इस प्रकार अभियान में बस संचालकों द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन न किए जाने पर आज दिनांक 27.05.2026 उप पुलिस अधीक्षक यातायात श्री अनिल कुमार राय, एआरटीओ श्री दीपक मांझी, सहित थाना यातायात स्टाफ के द्वारा ओंकारेश्वर क्षेत्र मे बसों एवं ऑटो चेक कर 52 वाहन चालक के विरुद्ध कार्यवाही कर 44000/- वसूल किए गए7 एक सप्ताह के इस अभियान मे कुल 195 बस के संचालक के विरुद्ध कार्यवाही कर ?3,36,400 समन शुल्क वसुल किया गया।

मालवीय 'सर्वश्रेष्ठ रीजन चेयरपर्सन मल्टीपल अवार्ड से सम्मानित

खण्डवा। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233ब1 के रीजन चेयरपर्सन लायन राजीव मालवीय को उनके उत्कृष्ट सेवा कार्यों, संगठनात्मक क्षमता और अद्वितीय नेतृत्व के लिए इस वर्ष के प्रतिष्ठित 'सर्वश्रेष्ठ मल्टीपल अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। यह गौरवशाली सम्मान उन्हें इंदौर महानगर में आयोजित भव्य एवं ऐतिहासिक मल्टीपल कन्वेंशन के दौरान प्रदान किया गया।कन्वेंशन के मुख्य समारोह में मल्टीपल काउंसिल चेयरपर्सन लायन मनीष शाह एवं उनकी कोर टीम द्वारा लायन राजीव मालवीय को मंच पर प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक पल के साक्षी अंतरराष्ट्रीय व बहु प्रांतीय मल्टीपल से आए 955 लायंस क्लबों के 1800 से अधिक प्रबुद्ध लायन साथी और वरिष्ठ पदाधिकारी बने। पूरे सभागार ने करतल ध्वनि से लायन राजीव मालवीय की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का स्वागत किया। लायन नारायण बाहेती द्वारा विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि लायन राजीव मालवीय को यह सर्वोच्च सम्मान उनके वर्तमान रीजन सेवा वर्ष के दौरान डिस्ट्रिक्ट द्वारा संचालित सेवा गतिविधियों में दिए गए उल्लेखनीय और अनुकरणीय योगदान हेतु प्रदान किया गया है। उन्होंने अपने कार्यकाल में पीड़ित मानवता की सेवा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य शिविर और शिक्षा के क्षेत्र में कई बड़े प्रकल्पों को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया। डिस्ट्रिक्ट द्वारा तय किए गए सभी लक्ष्यों को समय सीमा में पूरा करने व रीजन के खण्डवा, मूंदी, सनावद, महेश्वर देवी अहिल्या, बड़वाह, बुरहानपुर, भीकनगाँव, हरसूद, पंधाना के क्लबो में सेवा कार्यो में उनकी भूमिका से सराहनीय गतिविधिया संपादित हुई। राजीव मालवीय को सम्मानित करने के साथ ही रीजन के लायन प्रेरणा दुबे, लायन अनीता जैन, लायन नारायण बाहेती, लायन जे पी चौहान, लायन प्रियंका गुजराती, लायन राजीव शर्मा, लायन संजना खत्री, लायन घनश्याम वाधवा,, लियो सुमित परिहार आदि को व्यक्तिगत एवं क्लब स्तरीय अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।मल्टीपल स्तर पर मिले इन सर्वश्रेष्ठ अवार्ड से डिस्ट्रिक्ट 3233ब1 में हर्ष की लहर है। इस बड़ी उपलब्धि पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अनिल खंडेलवाल,गेट एरिया वाइस एरिया लीडर कुलभूषण मित्तल,पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, कैबिनेट पदाधिकारियों, विभिन्न क्लबों के अध्यक्षों और लायन साथियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सेवा पथ पर अग्रसर रहने की कामना की है।

प्रवीण शर्मा की पहल से अनाथ एवं असहाय बच्चों को मिला पहचान का अधिकार

बाल कल्याण समिति के विधिक संरक्षक आदेश से अब बन सकेंगे आधार कार्ड

खंडवा। अनाथ, असहाय एवं विशेष परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे बच्चों के लिए पहचान संबंधी समस्याओं के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं मानवीय पहल सामने आई है। अब ऐसे बच्चों के आधार कार्ड बनाने में आने वाली तकनीकी एवं दस्तावेजी बाधाओं को दूर करने हेतु बाल कल्याण समिति द्वारा जारी विधिक संरक्षक आदेश को महत्वपूर्ण मान्यता दी गई है। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि प्रवीण शर्मा, अध्यक्ष न्यायपीठ बाल कल्याण समिति खंडवा ने इस व्यवस्था को बच्चों के संवैधानिक एवं मानवीय अधिकारों की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कहा कि समाज में अनेक बच्चे ऐसे हैं, जिन्होंने कम उम्र में ही माता-पिता का साया खो दिया अथवा पारिवारिक विघटन के कारण रिश्तेदारों एवं संरक्षण संस्थाओं में जीवन व्यतीत करने को मजबूर हैं। ऐसे बच्चों के सामने केवल भावनात्मक संकट ही नहीं, बल्कि पहचान और सरकारी योजनाओं से जुड़ने की गंभीर समस्या भी खड़ी हो जाती है। सुनील जैन ने बताया कि जानकारी अनुसार कई मामलों में बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र में माता-पिता के नाम दर्ज होने के बावजूद उनके निधन अथवा अनुपस्थिति के कारण आधार कार्ड निर्माण में बायोमेट्रिक सत्यापन की कठिनाइयाँ उत्पन्न हो रही थीं। इस समस्या के समाधान हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं द्वद्धह्लु भोपाल कार्यालय के समन्वय से यह महत्वपूर्ण व्यवस्था सामने आई है कि किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 27 के अंतर्गत गठित बाल कल्याण समिति द्वारा विधिक संरक्षक आदेश जारी किए जाने पर बच्चों का आधार कार्ड विधिक संरक्षक के बायोमेट्रिक आधार पर बनाया जा सकेगा। प्रवीण शर्मा ने कहा कि 'एक बच्चे के लिए आधार कार्ड केवल पहचान पत्र नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, छात्रवृत्ति, सामाजिक सुरक्षा एवं शासन की योजनाओं तक पहुंच का माध्यम है। यदि कोई बच्चा पहचान से वंचित रह जाता है, तो वह अपने अनेक मूल अधिकारों से भी दूर हो जाता है।' उन्होंने कहा कि बाल कल्याण समिति का उद्देश्य केवल वैधानिक कार्यवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक जरूरतमंद बच्चे को सुरक्षा, सम्मान और भविष्य से जोड़ना भी है। समिति यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कोई भी बच्चा केवल परिस्थितियों के कारण अपने अधिकारों से वंचित न रहे। प्रवीण शर्मा ने प्रशासन, सामाजिक संगठनों एवं आमजन से अपील करते हुए कहा कि ऐसे बच्चों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। समय पर संरक्षण, पहचान और सहयोग मिलने से ही बच्चों का भविष्य सुरक्षित एवं सम्मानजनक बनाया जा सकता है।

कार्यालय उप संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, जिला कार्यालय खण्डवा (म.प्र.)

क्रमांक KDWLP28042627291/ दिनांक / 28/MAY/2026

क्र./2010 दिनांक 28/MAY/2026

म.प्र. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 29 (3) सहपठित म.प्र. भूमि विकास नियम, 2012 के नियम 14(3) के अधीन दी गई अनुज्ञा में उपांतरण की दशा में आपत्तियां आमंत्रित करने हेतु

जनसामान्य की जानकारी हेतु एतद द्वारा यह अधिसूचित किया जाता हैं कि श्री/श्रीमती/मेसर्स- developer kaveri exim, सुशीलाबाई, मनोरमाबाई द्वारा नीचे दिये गये अभिन्यास में उपांतरण हेतु आवेदन किया है:-

(क) परियोजना का नाम- RH RESIDENCY

(ख) अवस्थिति (अवस्थिति/ग्राम का नाम एवं खसरा क्रमांक)- पूर्व स्वीकृत ग्राम Khandwa taraf kunbi तहसील Khandwa Nagar व जिला Khandwa की भूमि सर्वे क्रमांक/खसरा क्रमांक 507/7, 507/8 कुल रकबा 0.81 हेक्टेयर भूमि पर COMMERCIAL, RESIDENTIAL PLOT-PLOTTED HOUSING विकास हेतु अनुमोदित अभिन्यास में संशोधित अभिन्यास का अनुमोदन चाहा गया है।

(ग) विकास का प्रयोजन- COMMERCIAL, RESIDENTIAL PLOT-PLOTTED HOUSING

(घ) स्वीकृति क्रमांक KDWLP23012453354 दिनांक 2024-01-30

पूर्व स्वीकृत अभिन्यास में यदि उपांतरण किया जाता हैं, तो उससे परियोजना से जुड़े व्यक्ति/संस्था के हित प्रभावित होने की संभावना है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति, उपांतरणों से संबंधित अपनी आपत्ति या सुझाव, इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में अथवा https://alpass.mp.gov.in/Web/Objection.aspx?RefApp=g7uAaOoc312010 पर प्रस्तुत कर सकेगा। पूर्व स्वीकृत अभिन्यास के ब्यौरे तथा प्रस्तावित उपांतरित अभिन्यास का निरीक्षण हितबद्ध व्यक्ति द्वारा, उपरोक्त कार्यालय में कार्यालयीन समय के दौरान अथवा website https://alpass.mp.gov.in/Web/uLogin.aspx पर किया जा सकता है।

उप संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, जिला खण्डवा (म.प्र.)